MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो , योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें
https://dainikyashonnati.com
एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 21 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी शनिवार 16 सितंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार ..... | पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार | पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

जिले में अतिवृष्टि : मे अवकाश

सिवनी यशो:- जिले में अतिवृष्टि के कारण बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर कले टर श्वितिज सिंघल ने 16 सित बर 2023 को जिला अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय/ अशासकीय/ सीबीएसई/ आईसीएसई/ माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं समस्त बोर्ड से संबंध शालाओं में कक्षा नर्सरी से 12वी तक के छात्राओं के सामान्य अवकाश घोषित किए हैं। कक्षा 9वी से 12वी तक की संचालित होने वाली त्रैमासिक परीक्षा उक्त तिथियों में स्थगित करते हुए पृथक से तिथि निर्धारित की जाएगी। उक्त दिवस शिक्षक नियत समय पर विद्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

1179.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई

सिवनी यशो:- भू-अभिलेख कार्यालय सिवनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 1 जून 2023 से 15 सित बर 2023 तक जिले में 1179.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी हैं। विकासखंडवार वर्षा की प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 सित बर तक विकासखंड सिवनी में 1145.7 मि.मी, कुरई में 967.0 मि.मी., बरघाट में 1307.0 मि.मी., केवलारी 1029.8 मिमी, छपारा में 1104.0 मि.मी, लखनादौन में 1580.9 मिमी, धनैरा में 1158.7 मिमी एवं घंसौर में 1146.1 मिमी. वर्षा, इस प्रकार कुल 9439.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। ज्ञात हो विगत वर्ष 15 सित बर 23 को जिले में कुल 10945.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी।

भाई के लिये भरत ने जो त्याग किया वह सांसर में सबसे श्रेष्ठ - स्वामी रामभद्राचार्य

सिवनी यशो: - सिवनी के पालीटेक्निक ग्राउंड में चल रही भक्तियम श्रीराम कथा के सातवें दिन कथावाचक तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गू रू रामनंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने भगवान श्रीराम के त्याग स्वारूप का सुंदर वर्णन करते हुये कथा स्थल पर उपस्थित विशाल जनसमुदाय को संबोधित करते हुये बताया कि भारत देव भूमि है सनातन की भूमि है जहाँ भगवान श्रीराम ने पिता की आज्ञा का पालन करते हुये राजपाठ छोड़कर वनवासी हो गये । भगवान श्रीराम के वनवास कथा को सुंदर वर्णन करते हुये रामचरित्र मानस के सुंदर पक्षों का मार्मिक चित्रण किया उन्होंने बताया कि राजा दशरथ ने भगवान श्रीराम के वन गमन के सांकेतिक रूप से करने के लिये अपने विश्वनीय मंत्री सुमंत जी को साथ भेजा और कहा कि श्रीराम को वन घुमाकर वापिस ले आना परंतु भगवान श्रीराम ने धर्म और परंपरा का की बाते बताकर समझाया और उनके साथ बड़ी सं या में गये आयोध्यावासियों को छोड़कर श्रीराम माता सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ वन की ओर प्रस्थान कर गये ।

मांगी नाव न केवट आना, सुंदर केवट संवाद का चित्रण

कथा को आगे बढ़ाते हुये स्वामी राम भद्राचार्य जी ने भगवान राम एवं केवट से संबंधित सुंदर संवाद का चित्रण करते हुये बताया कि प्रबल प्रेम के पाले पड़कर प्रभु को नियम बदलते देखा। भगवान केवट के समीप आए। गंगाजी का किनारा भक्ति का घाट है और केवट भगवान का परम भक्त है, किंतु वह अपनी भक्ति का प्रदर्शन नहीं करना चाहता था। अतः वह भगवान से अटपटी वाणी का प्रयोग करता है और केवट ने हठ किया कि आप अपने चरण धुलवाने के लिए मुझे आदेश दे दीजिए, तो मैं आपको पार कर दूंगा ` योंकि आपके चरणों की धूलि जिस जड़ वस्तु को लगती है वह मनुष्य रूप लेता है और यह नाव मेरी रोजी रोटी है इसलिये मैं आपके चरणों को धो-धोकर धुलि साफ करूंगा तभी नाव में बैठा पाऊंगा। केवट ने भगवान से धन-दौलत, पद ऐश्वर्य, कोठी-खजाना नहीं मांगा। उसने भगवान से उनके चरणों का प्रक्षालन मांगा।

केवट की नाव से गंगा पार करके भगवान ने केवट को उतराई देने का विचार किया। सीता जी ने अर्धांगिनी स्वरूप को सार्थक करते हुए भगवान की मन की बात समझकर अपनी कर-मुद्रिका उतारकर उन्हें दे दी। भगवान ने उसे केवट को देने का प्रयास किया, किंतु केवट ने उसे न लेते हुए भगवान के चरणों को पकड़ लिया। जो देवताओं के लिए भी दुर्लभ है, ऐसे भगवान के श्रीचरणों की सेवा से केवट धन्य हो गया। भगवान ने उसके निस्वार्थ प्रेम को देखकर उसे दिव्य भक्ति का वरदान दिया तथा उसकी समस्त इच्छाओं को पूर्ण किया।

जगद्गुरू रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि भाई का जो दायित्व भरत ने निभाया और जो त्याग भरत ने किया वह आज तक के संसार में सबसे श्रेष्ठ है। अयोध्या जैसा राज्य मिलने पर भी उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया और अपने बड़े भाई भगवान श्रीराम को मनाने व राज्य वापस लौटाने के लिए स्वयं वन में चले गए, जबकि वे चाहते तो स्वयं राजा बन सकते थे। महाराज ने कहा कि आज के समय में छोटी छोटी बातों पर भाई भाई से लड़ रहा है। परिवार विखंडित हो रहे हैं। भाइयों के परिवार एक जगह नहीं रह सकते। संपत्ति के विवाद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे संस्कार नहीं थे और ना ही संस्कृति। उन्होंने भरत चरित्र सुनाते हुए कहा कि कैकयी ने अपने वचनों के बदले भरत के लिए पूरी अयोध्या का राज्य मांग लिया था और पिता की आज्ञा पाकर भगवान श्रीराम भी भरत के लिए राज्य का त्याग कर वनवास चले गए, लेकिन जब भरत को यह बात पता चली तो उन्होंने अपनी माता कैकयी का ही त्याग कर दिया और भगवान राम को मनाने वन को चले गए। जहां उन्होंने श्रीराम को मनाने के अनेक प्रयास किए, लेकिन पिता के वचन से बंधे राम ने भी उन्हें धर्म की नीति समझाकर वापस भेज दिया। इसके बाद भी भरत ने राज्य को स्वीकार नहीं किया और श्रीराम की चरण पादुकाएं लाकर उन्हें राज्य सिंहासन पर रखकर अपने बड़े भाई का इंतजार किया।

भाई भरत ने 14 वर्ष तक वनवासी जीवन जिया

महाराज जी ने कहा कि इतना ही नहीं पूरे 14 वर्ष तक स्वयं भरत ने भी वनवासी की तरह जीवन यापन किया। वे अयोध्या के पास ही कुटिया बनाकर वहां रहने लगे। वनवासी वेश धारण कर लिया और जमीन पर ही सोते। उन्होंने कहा कि भला ऐसा प्रेम और कहां देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को भरत और भगवान श्रीराम के जीवन से आपसी रिश्तों के प्रेम का महत्व समझना चाहिए। महाराज जी ने कहा कि भरत जैसा कोई राम भक्त नहीं जो भक्ति में रत रहता है वह भरत ।

बिहार के शिक्षा मंत्री एवं स्टालिन के बयान पर बरसे स्वामी जी

स्वामी रामभद्राचार्य जी ने बिहार के शिक्षा मंत्री और स्टालिन के बयान पर कटाक्ष करते हुये कहा कि सनातन के विरोध में चल रहे कुचक्र के विरोध में मैं हमेशा मुखर रहूंगा जिसे कोई सनातन की श्रेष्ठ पर शंका हो वह मुझसे कही भी चर्चा कर सकता है । श्रीराम कथा के सातवें दिन मूसलाधार बारिश के बीच अपार जनसमुदाय उपस्थित रहा । स्वामी रामभद्राचार्य जी ने कहा कि राम कथा का मैं निजि उपयोग में एक भी रूपया नहीं लेता उन्होंने सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन के भाव की प्रशंसा की और सनातन की श्रेष्ठता पर श्रोताओं से गर्व करने को कहा और कहा कि भगवान श्रीराम के प्रति भरत जी को जो प्रेम था वह प्रेम सभी अपने हृदय में प्रगट करें श्रीराम और भरत जी का जो प्रेम था वह अद्वितीय था ।

लखनादौन को जिला व आदेगांव को तहसील बनाने की उठी मांग

सिवनी यशो:- सिवनी जिले के लखनादौन विकास खंड के अंतर्गत आने वाले आदेगांव में लोगों ने नायब तहसीलदार व थाना प्रभारी को आदेगांव को तहसील व 160 वर्ष पुरानी तहसील लखनादौन को जिला बनाने के लिए ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में उल्लेख है कि अंग्रेज शासनकाल 1914 में लखनादौन तहसील हुआ करती थी। जब इसका जिला छिंदवाडा होता था। उस समय आदेगांव एक छोटा कसबा था। हमारे धर्म गुरुओं की ओर से बताया गया कि 52 ज्योर्तिलिंग है, जिसमें 51 दिखाए गए, 52वें न बर पर आदेगांव है। जिसकी एक पहाड़ी पर 18वीं शदी के प्रचीन किला के अंदर भगवान कालभैरव, बटुक भैरव, दूधिया भैरव, माँ अन्नपूर्णा सहित शिवपरिवार की मूर्तिया प्रचीनकाल से स्थापित है। वहीं श्यामलता का दुर्लभ वृक्ष भी यहां मौजूद है।

यातायात नियमों की दी जा रही जानकारी

सिवनी यशो:-सिवनी के डुंडा सिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस की ओर से लोगों को नशा से मुक्त करने व दुर्घटनाओं को कम करने के लिए रात्रि के समय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जहां पुलिस रात्रि के समय ढाबों व हाईवे के आसपास गश्ती कर रही है और रात्रि के समय शराब के नशे में घूमने वाले लोगों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें समझाइश दी जा रही है। वहीं ढाबों के सामने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

धार्मिक मान्यताओं के आधार पर धर्म गुरुओं के मार्गदर्शन में आदेगांव को छोटी काशी के नाम से जाना जाता है। जगद्गुरु स्वारूपानंद सरस्वती शंकराचार्य स्वामी की ओर से आदेगाँव को सिवनी जिले की धर्म राजधानी का भी दर्जा दिया गया था।

धार्मिक दृष्टिकोण से यहां आसपास क्षेत्र सहित अन्य जिला व प्रांतों से भी दर्शनार्थियों का आना जाना होता है। वर्तमान में आदेगांव जो पिछड़ा क्षेत्र है, 2019 में पुलिस चौकी से सब इंस्पे टर थाना बनाया गया। थाना क्षेत्र में 103 ग्राम शामिल है। जो 20 से 30 किमी के क्षेत्र में है। लगभग 30 ग्राम पंचायत का एक बड़ा क्षेत्र संपूर्ण शासकीय कार्यों के लिए लखनादौन पर ही आश्रित है। जिससे ग्रामीणों को हर जरूरी कार्य के लिए 30 से 40 किमी दूर जाना पड़ता है। जिसमें समय की भी काफी बरबादी होती है। आदेगांव को तहसील बनाने से थाना क्षेत्र के लगभग 100 ग्राम के लोगों को सभी शासकीय कार्य कराने में आसानी होगी व लखनादौन जिला बनने से संपूर्ण लखनादौन क्षेत्र वासियों को समय की भी बचत होगी। जो अपने जरूरी कार्य के लिए लगभग 100 किमी की दूरी तय कर सिवनी पर निर्भर है।

सिवनी यशो:- लगातार बारिश के चलते शुक्रवार को सुबह पीएचई कार्यालय के समीप व कंट्रोल रूम के थोड़ा आगे सड़क किनारे लगा पेड़ भर भराकर गिर गया। पेड़ के गिरने से काफी देर तक उक्त मार्ग से आवा गमन प्रभावित रहा।

मूसलाधार बारिश से कुरई के पास बने ओवर ब्रिज में आई दरार, आवागमन प्रभावित

सिवनी यशो:- गुरूवार रात से जिले में लगातार बारिश हो रहा है जिससे चारो ओर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है । लगातार बारिश कारण नदी, नाले, तालाब और डेमो में पानी लबालब भर गया है। अनेक ग्रामों को जोड़ने वाले पुल, पुलिया और रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है। बारिश के कारण पूरा जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है गुरूवार और शुक्रवार की दरमियानी रात में मूसलाधार हुई और शुक्रवार को दिनभर कभी तेज तो कभी धीमी बरसात का क्रम जारी रहा है । गुरूवार को पोला पर्व बरघाट क्षेत्र में प्रमुखता से मनाया जाता है परंतु वहाँ दोपहर बाद ही तेज बारिश का दौर शुरू हुआ तो पर्व में कम स ं या में ही किसान शामिल हो पाये । तेज बारिश के कारण अनेक मार्गो का संपर्क बाधित हो गया । सिवनी से नागपुर जाने वाली नेशनल हाईवे सड़क मार्ग पर बने ओवर ब्रिज में दरार आ गई है। वहीं वैनगंगा नदी पर बने लखनवाड़ा के छोटे पुल के ऊपर से पानी बह रहा है।

मूसलाधार बारिश ने जिले के कई हिस्सों में अफरातफरी का माहौल निर्मित कर दिया है । लगातार हो रही बारिश का नजारा देखने अनेक लोग जलाशयों का नजारा देखने के लिये निकले । हो रही बारिश के कारण कंजई के पास स्टेट हाईवे का नाला उफान पर होने के कारण सिवनी-बालाघाट मार्ग से वाहनों का आना जाना प्रभावित हो गया है। इसके कारण लोग काफी परेशान नजर आ रहे हैं। अनेक शासकीय कार्यालयों में पूरे दिन सन्नाटा छाया रहा कार्यालयों में आवक जावक न के बराबर रही। छपारा विकासखण्ड के संजय सरोवर जलाशय (भीमगढ़) का जलस्तर 518.65 मीटर हो गया। जल संग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा से जल की आवक हो रही है। बारिश की अधिकता से अनेक मार्गों का आवागमन प्रभावित रहा ।

15 और 16 सितंबर को स्कूलों की छुट्टी

यहां निर्धारित जल स्तर बनाए रखने के लिए आज बांध के गेट खोले गए। इससे 20,000 घन फीट प्रति सेकेंड (566.35 cumecs) जल की निकासी की गई। वहीं लगातार हो रही बारिश को देखते हुए कले टर श्वितिज सिंघल ने 15 और 16 सितंबर के लिए सिवनी में स्कूलों का अवकाश घोषित कर दिया है।

सिवनी मु ालय सहित घंसौर, धनोरा, लखनादौन, छपारा, बरघाट, कुरई में बारिश से लोग परेशान हो गए हैं। आठ घंटे में बरघाट में सर्वाधिक 10 इंच (243 मिमी) बारिश दर्ज की गई। जिले के छोटे-छोटे रपटों में कई फिट ऊपर से पानी बह रहा है। अरी में दो घरों की कच्ची दीवारे तेज बारिश के कारण धराशायी हो गई। लेकिन कोई जनहानि की जानकारी नहीं मिली है।

प्रशासन ने लोगों से की अपील मुंगवानी मार्ग पर पुसेरा पुल में ऊपर से वैनगंगा नदी में बाढ़ का पानी बह रहा है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि पुल, पुलिया, रपटों और नालों के ऊपर से यदि पानी बह रहा हो तो उन्हें पर ना करें योंकि बीते माह रपटा पार करते हुए एक स्कूली छात्र बह गई थी। वही घंसौर क्षेत्र में भी एक वृद्ध महिला जान जोखिम में डालकर रपटा पार कर रही थी। जहां बहने से उसकी मौत हो गई थी। इसलिए प्रशासन ने कहा है कि सभी सावधानी बरतें।

भाजपा के भ्रष्टाचार की पोल खुली, ताश के पत्तों की तरह बहा ओवर ब्रिज- कांग्रेस

सिवनी यशो:- पूरे देश में आज 50 प्रतिशत कमीशन वाली मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार का हल्ला मचा हुआ है हर दिन एक नया भ्रष्टाचार की खबरे सुनने को मिल जाती है सिवनी जिला भी इससे अछूता नहीं है। जहां करोड़ो, अरबो रूपयों के कार्यो पर इतना अधिक भ्रष्टाचार किया गया है कि निर्माणधीन पुल, पेंच की नहरें 100 साल की गारंटी वाला साउंडप्रुफ हाईवे जरा-सी बारिश में ताश के पत्ते की तरह गिर रहे हैं इसका प्रमुख कारण भाजपा सरकारों में कमीशन का खेल है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कुछ दिन पूर्व केन्द्रीय सड़क परिवाहन मंत्री नितिन गड़करी ने नेशनल हाईवे 44 मोहगांव से कुरई तक 29 किमी. साउंडप्रुफ हाईवे पेंच टाईगर रिजर्व बफरजोन एनीमल अंडरपास लागत 960 करोड़ रूपय (सड़क की प्रति किलोमीटर लागत 33 करोड़ 10 लाख रूपय) का लोकापर्ण यह कहते हुए किया था कि यह हाईवे तकनीकि और इंजीनिरिंग की मिशाल, गुणवत्तापूर्ण देश का पहला साउंडप्रुफ हाईवे है जो कि 100 साल तक चलेंगा। ठेकेदार दिलीप बिल्डकॉन और प्रदेश के मु यमंत्री शिवराज सिंह चैहान की ठेकेदारी में हिस्सेदारी किसी से छिपी नही है यही कारण है कि गुणवत्ता विहीन कार्यों की अधिकारियों ने अनदेखी की, नतीजा सबके सामने है हल्की सी बारिश में इतनी भारी भरकम राशि से बनी साउंडप्रुफ हाईवे टूटने लगी है जो किसी गंभीर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। जिला प्रशासन इस बात पर ध्यान दे कि उक्त स्थान पर कोई गंभीर दुर्घटना ना होने पावें। साउंडप्रुफ हाईवे पर टोल वसूली चालू हैं या टोल वसूल करने वालो की कोई जि मेदारी उस हाईवे के लिए नहीं बनती, जिस हाईवे पर हर मिनट में सैकड़ो वाहनों की आवा-जाही बनी रहती है टोल वसूली का ठेका भाजपा नेताओं का है।

जिला कांग्रेस प्रशासन से मांग करती है कि उक्त मार्ग की सूक्ष्मता से जांच कराकर वर्तमान में किसी प्रकार की कोई दुर्घटना घटने की संभावना तो नही है इस बात का पता लगाये और उच्च तकनीकि अमले की देखरेख में गुणवत्ता पूर्ण मर मत कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ कराये साथ ही ठेकेदार पर वसूली के साथ-साथ दण्डात्मक कार्यवाही की जाये तथा टोल वसूली तत्काल बंद की जाए।

जबरन नॉलेज

स्वयं की प्रतिभा, अस्तित्व और देशाभिमान का भाव जगाती है हमारी हिन्दी

रमेश शर्मा-

पराधीनता से मुक्ति के लिये विदेशियों को बाहर कर स्वतंत्र सत्ता स्थापित करना जितना महत्वपूर्ण है उतना ही आवश्यक है स्वयं के विचार और भाव भाषा के आधार पर अपने जीवन, समाज और देश का विकास की ओर बढ़ना । इसी प्राथमिकता, स मान और स्वाभिमान का बोध कराता है हमारा यह राष्ट्रीय हिन्दी दिवस।

हिन्दी को राजभाषा बनाने का संघर्ष

हिन्दी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सित बर को मनाया जाता है। 14 सित बर 1949 को संविधान सभा ने यह निर्णय लिया था कि हिन्दी भारत सरकार की आधिकारिक भाषा होगी ` योंकि भारत के अधिकांश क्षेत्रों में सर्वाधिक हिन्दी ही बोली जाती है इसलिए हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया और इस निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिन्दी को प्रत्येक क्षेत्र में जन जन तक पहुँचाने के लिये वर्ष 1953 से पूरे भारत में 14 सित बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाने की अधिकृत घोषणा हुई।

स्वतन्त्रता प्राप्ति के पूर्व से ही स्वतंत्र भारत की राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी को प्रतिष्ठित करने का अभियान आरंभ हो गया था । देश के जनमत की इसी भावना को हरिविष्णु कामथ, काका कालेलकर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविन्द दास, व्यौहार राजेन्द्र सिंह आदि साहित्यकारों ने अथक प्रयास किये। तब संविधान सभा ने 14 सित बर 1949 को अपने निर्णय की घोषणा की और भारतीय संविधान के भाग 17 के अध्याय की अनुच्छेद 343 (1) में भारत संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी राजकीय भाषा के रूप में और अंकों के अंतराष्ट्रीय स्वरूप यनि अंग्रेजी के ही स्वीकृत किये गये । इसलिये 14 सित बर का यही दिन राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के रूप में निर्धारित हुआ । जिसकी विधिवत घोषणा 1953 में की गई। संयोग से यह तिथि हिन्दी की स्वीकार्यता के लिये अथक परिश्रम करने वाले सुप्रसिद्ध साहित्यकार व्यौहार राजेन्द्र सिंह की पचासवीं साल गिरह थी इसलिए साहित्य की दुनियाँ में यह तिथि अतिरिक्त आनंद लेकर आई । और देश भर में उत्सव आयोजन हुये।

मिलता है । वह ०मेमोरेंडम - %कोर्ट कैरे टर इन दी अपर प्रोविंसेज ऑफ इंडिया% के नाम से रिकार्ड में दर्ज है । इसी बात को और आगे बढ़ाया भारतेंदु हरिश्चंद्र ने। उनका अधिकांश साहित्य हिन्दी में था। जिसमें अन्य विधाओं के साथ राष्ट्र जागरण का आव्हान भी होता । वे यह अपील भी करते थे कि लोकभाषा व्यवहार हिन्दी में होना चाहिए। हिन्दी आँदोलन के इसी बीजारोपण को आगे बढ़ाया गाँधीजी, पं मदनमोहन मालवीय, नवीनचन्द्र राय, श्रद्धाराम फिल्लौरी, पंडित सत्यनारायण शास्त्री, पंडित गौरीदत्त, व्यौहार राजेन्द्र सिंह, सेठ गोविन्द दास, काका कालेलकर, पुरु षोत्तमदास टंडन, आदि साहित्यकारों, स्वतंत्रता सेनानियों और पत्रकारों ने।

1917 में गाँधी जी ने हिन्दी को भारत की राजभाषा बनाने की आवश्यकता बताई थी। गाँधी की मातृभाषा गुजराती थी, पर वे हिन्दी को संपर्क भाषा बनाने के समर्थक थे । समय की गति के साथ कुछ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और साहित्यकारों का साथ छूटा तो कुछ नये जुड़े पर हिन्दी अभियान न रुका । वह निरन्तर रहा । अंततः हिंदी भारत राष्ट्र के ललाट की बिन्दी बनी और राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो गई।

हिन्दी भाषा की वैज्ञानिकता

संसार में प्रचलित सभी भाषाओं में हिन्दी सबसे समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है । संस्कृत के बाद हिन्दी ही एक मात्र ऐसी भाषा है जिसमें जो लिखा जाता है । वही बोला जाता है । और जो बोला जाता है वही लिखा जाता है । दुनियाँ अन्य भाषाओं में वर्णाक्षरों का उच्चारण शब्दों के प्रयोग में बदल जाता है। कभी कभी तो एक ही अक्षर का अलग अलग शब्दों के प्रयोग में उच्चारण अलग हो जाता है। लेकिन हिन्दी में ऐसा नहीं होता। वर्ण या अक्षर के रूप में जो उच्चारण होता है, वही शब्द प्रयोग में भी होता है।

हिन्दी की यह विशेषता भी है कि संसार की किसी भी भाषा के शब्द या उच्चारण को हिन्दी में ज्यों का त्यों लिखा जा सकता है । भले वे उच्चारण अंग्रेजी के हों, चीनी भाषा के हों या अरबी फारसी के । यह विशेषता संसार की किसी भाषा में नहीं। इसका कारण यह है कि हिन्दी की वर्ण माला ०स्वर विज्ञान० पर निर्धारित है। यही नहीं वर्णमाला में वर्णाक्षर की पंक्ति का निर्धारण भी वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद हुआ है । जैसे ०क० पंक्ति के पाँचों अक्षर एक ०स्वर शैली० के और ०च० पंक्ति के पाँचों अक्षर में दूसरी ०स्वर शैली० के हैं।

हिन्दी भाषा की प्राचीनता

भारत में हिन्दी भाषा के अस्तित्व का इतिहास बहुत पुराना है । इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है । हिन्दी का अस्तित्व मिलता है। प्राचीन भारत में यदि शोध, अनुसंधान और आ यानों की भाषा संस्कृत रही है तो सामाजिक जीवन में बोलचाल की व्यवहारिक भाषा हिन्दी ही रही है। इसका प्रमाण लोकभाषा में रचा गया साहित्य है । इसीलिए हिन्दी और संस्कृत का व्याकरण एक ही है। व्याकरण की दृष्टि से संस्कृत और हिन्दी में दो तीन मामूली अंतर हैं । वह है संस्कृत शब्द के अंत से ० ० को प्रथक करना और शब्द संधि का सरलीकरण । इसलिए हिन्दी को संस्कृत का सरलीकृत स्वरूप ही माना गया।

यह अलग बात है कि मध्यकाल में हुये सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उथल पुथल के चलते हिन्दी विखर गई और क्षेत्रीय बोलियाँ उभर आईं। जिन्हे अब हम अवधी, बुन्देली, मालवीय, बजभाषा, भोजपुरी आदि प्रांतीय बोलियों या भाषाओं के रूप में देख सकते हैं। इन सबके मूल में हिन्दी या संस्कृत के ही शब्द हैं। समय के साथ भारतीय मनीषियों ने यह आवश्यकता अनुभव की और देश को पुनः भाषा के एक सूत्र में बाँधने का संकल्प लिया।

स्वभाषा का यह सूत्र ही अंग्रेजों से मुक्ति का महामंत्र बना। यह संस्कृत का ०वंदे मातर० और हिन्दी में ० अंग्रेजो भारत छोड़ो० उद्घोष ही था कि अंग्रेज भारत को स्वतंत्र करने के लिये विवश हुये । देश भर में स्वभाषा चेतना ने अंगड़ाई ली। यह स्वराज्य और स्वभाषा के साधकों की तपस्या थी कि 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ और 14 सित बर 1949 को हिन्दी राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हुई।

संसार में हिन्दी की व्यापकता

हिन्दी संसार में तीसरी सबसे महत्वपूर्ण भाषा है । पूरी दुनियाँ में पचास से अधिक देश हैं जिनमें हिन्दी जानने वाले या समझने वाले लोगों की बड़ी सं या है । अनेक देशों अपनी भाषा है, वहाँ निवासियों ने हिन्दी को नहीं पढ़ी फिर भी वे हिन्दी समझ लेते हैं । इनमें पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, यामार, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसे देश हैं जिनके निवासी हिन्दी भले न जाने पर हिन्दी में संदेश समझ लेते हैं।

इन देशों में हिन्दी समझने और जानने वालों की सं या चौदह करोड़ के आसपास मानी गई है। इनके अतिरिक्त अमेरिका और ब्रिटेन सहित पच्चीस से अधिक देश ऐसे हैं जिनके अनेक विश्वविद्यालयों में हिन्दी विभाग है और हिन्दी के शिक्षक भी हैं। फिजी, मॉरिशस, गयाना, सूरीनाम और नेपाल आदि देश ऐसे हैं आम बोलचाल में भी हिन्दी देखी सुनी जा सकती है । इस प्रकार पूरी दुनियाँ में लगभग सवा सौ करोड़ लोग हिन्दी बोलते और समझते हैं। इनमें अस्सी करोड़ लोग भारत में निवास करते हैं। इनमें साठ करोड़ भारतीय हिन्दी को अपनी मातृभाषा मानते हैं। न्यूजीलैंड में हिन्दी चौथी महत्वपूर्ण भाषा मानी गई है।

हिन्दी के प्रचार के प्रयास

संसार की वैज्ञानिक भाषा और तीसरी सबसे महत्वपूर्ण हिन्दी की पुनर्प्रतिष्ठा के लिये भारत में आयोजित यह राष्ट्रीय हिन्दी दिवस एक दिन का नहीं होता । इसके आयोजन पूरे सप्ताह चलते हैं और अलग अलग दिनों में अलग- अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। इनमें लेखन, संभाषण, वाद विवाद अथवा तात्कालिक प्रश्नोत्तरी आदि शामिल हैं। आयोजन कार्यालयों में भी होते हैं और विद्यालयों में भी। इनमें अच्छी भाषा शैली का प्रस्तुतिकरण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है । इन पुरस्कारों के नाम में आशिक बदलाव किया गया। अब ये पुरस्कार किसी व्यक्ति नाम पर देने की बजाय ०राष्ट्रभाषा कीर्ति पुरस्कार० और ०राष्ट्रभाषा गौरव पुरस्कार० जैसे नाम से दिये जाते हैं। इसमें राजभाषा गौरव पुरस्कार दस हजार से लेकर दो लाख रुपये तक है।

इस श्रंखला में कुल तेरह पुरस्कार दिये जाते हैं जो तकनीकी और विज्ञान विषय पर लिखने वाले प्रतिभागी को दिया जाता है। इसमें कुल तेरह पुरस्कार होते हैं। प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले को दो लाख रूपए, द्वितीय को डेढ़ लाख और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को पचहत्तर हजार रुपये के अतिरिक्त दस लोगों को दस-दस हजार रूपए प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वहीं राजभाषा कीर्ति पुरस्कार कुल 39 प्रतिभागियों को दिये जाते हैं। यह पुरस्कार किसी समिति, विभाग, मण्डल आदि द्वारा हिन्दी में किए गए श्रेष्ठ कार्य करने पर दिये जाते हैं।

यह भारत सरकार और प्रांतीय सरकारों के प्रोत्साहन प्रयत्नों और समाज की जाग्रति का परिणाम है कि अब ०राष्ट्रीय हिन्दी दिवस० के आयोजन केवल औपचारिकता भर नहीं रह गये । पूरा समाज और विशेषकर युवा पीढ़ी उत्साह से हिस्सा लेती है । भारतीयों में हिन्दी के प्रति अटूट प्रेम है कि अब हिन्दी में अंगड़ाई ली है। विश्व में अपनी प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करने की स्पर्धा में सबसे आगे है। और` यों न हो धरती के हर भूभाग की अपनी केमिस्ट्री होती है जिसका प्रभाव केवल फसलों की विविधता या प्राणियों की शै ल सूरत पर ही नहीं होता अपितु मनुष्य के स्वभाव ज्ञान बुद्धि, प्रतिभा, मेधा और कर्म शक्ति पर भी होता है।

प्रत्येक क्षेत्र में अपनी भाषा में विविधता होती है। उस भूक्षेत्र के निवासी जब अपने मूल से जुड़कर आगे बढ़ते हैं तो शी की यात्रा सुगम होती है। अपने क्षेत्र की भाषा और मिट्टी की गंध न केवल व्यक्ति में स्वाभिमान को जगाती है अपितु उसके प्रगति यात्रा में ऊर्जा भी देती है। इसलिए अब नये दौर में स्वभाषा हिन्दी के प्रति भारतीयों का बढ़ता प्रेम ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है। आशा की जानी चाहिए कि प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ०राष्ट्रीय हिन्दी दिवस० का आयोजन भारतीय युवाओं को स्वाभिमान और प्रतिष्ठा की दिशा में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करेगा।

हिन्दी की प्रतिष्ठा में अग्रणी मध्यप्रदेश

भारत में हिन्दी प्रतिष्ठित हो भावना लगभग सभी नेतृत्व कर्ताओं की रही है । संविधान सभा और संसद में भी अनेक बार प्रश्न आये । संविधान सभा की भावना के अनुरूप भारत सरकार ने 1953 से राष्ट्रीय हिन्दी दिवस आयोजन की अधिकृत घोषणा की और 18 जनवरी 1968 को भारतीय संसद में शासकीय कार्य हिन्दी में करने का संकल्प भी पारित किया । पर कार्य वैसी गति न ले सका जैसी संसद की भावना रही थी । पर इसकी पहल देश के हृदय प्रांत मध्यप्रदेश ने की। मध्यप्रदेश ने न केवल हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना की अपितु इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई भी हिन्दी में प्रारंभ की।

मध्यप्रदेश के इन कार्यों की प्रशंसा पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी की। इससे पूर्व वर्ष 2016 में भोपाल में संपन्न विश्व हिन्द स मेलन में मु यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने प्रशासनिक कार्य हिन्दी में करने की घोषणा की थी । उसके अनुरूप शासन की अधिकांश योजनाओं का विवरण हिन्दी में आ चुका है । अनेक पोर्टल भी हिन्दी में आरंभ हो चुके हैं। हिन्दी की प्रतिष्ठा यात्रा में गति के लिये समाज को संकल्प के साथ आगे आना होगा । लेकिन वह दिन दूर नहीं जब हमारी हिन्दी भारत राष्ट्र के साथ विश्व में प्रतिष्ठित होगी।

आदि शंकराचार्य जी की एकात्मता की प्रतिमा के अनावरण की तैयारी शुरू, वेदपाठ और भाष्य-पारायण करने देश भर से जुटे संन्यासी

108 घंटे होगा आदि शंकराचार्य द्वारा लिखे गए भाष्यग्रन्थों का पारायण

ओ कारेश्वर के एकात्म धाम में शांकर भाष्यपरायणाञ्जलि

मध्य प्रदेश शासन द्वारा ओंकारेश्वर में आदि शंकराचार्य के जीवन-दर्शन के लोकव्यापीकरण को समर्पित %एकात्म धाम% की पहली उपलब्धि के रूप में दिनांक 18 सितंबर 2023 को 108 फीट ऊंची %एकात्मता की मूर्ति% का अनावरण होने वाला है। कार्यक्रम की तैयारी विभिन्न मोर्चों पर चल रही हैं। प्रतिमा स्थल पर देशभर से आए हुए 32 संन्यासियों व ब्रह्मचारियों द्वारा आदि शंकराचार्य द्वारा लिखित भाष्यों का पाठ शुरू हो चुका है।

या है प्रस्थानत्रयी?

वेदों के ज्ञान कांड को उपनिषद् कहते हैं। प्रमुख उपनिषद् 10 हैं, जैसे - केन, कठ, मुण्डक, माण्डू य, बृहदारण्यक, छांदोग्य आदि। उपनिषद् को ही वेदांत कहते हैं। इनमें मु य रूप से जीव, जगत और ईश्वर के स्वरूप तथा अन्तर्सं बन्ध का विवरण है। उपनिषदों का ही सार भगवद्गीता है तथा उनका विश्लेषण वेदव्यास द्वारा रचित ब्रह्मसूत्र है। इन तीनों ग्रंथों यानि 10 उपनिषद्, भगवद्गीता और ब्रह्मसूत्र को प्रस्थानत्रयी कहते हैं। आदि शंकराचार्य जी ने इन तीनों का भाष्य लिखा है इसलिए उनको भाष्यकार भी कहा जाता है।

कैसे होगा पारायण?

यह पाठ कुल 108 घंटे का है जो 9 दिन तक चलेगा। अर्थात 12 घंटे प्रतिदिन। सर्वप्रथम 10 उपनिषद् फिर ब्रह्मसूत्र और अंत में भगवद्गीता के मूल श्लोक के साथ भाष्य का पाठ चलेगा। प्रतिदिन यह पारायण आदि शंकराचार्य जी की पूजन और वैदिक शांति पाठ के साथ प्रारंभ होगा तथा शंकराचार्य जी की आरती, विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ तथा तोटकाष्टकम् के साथ समाप्त होगा। विष्णुसहस्त्रनाम का भाष्य आदि शंकराचार्य जी ने ओ कारेश्वर में ही लिखा था। इन 32 संतों के 6 समूह हैं और हर समूह 2 घंटे पाठ करेगा इस प्रकार एक दिन में 12 घंटे तक पाठ चलेगा जब एक समूह पाठ करेगा उसे समय दूसरा समूह उसका श्रवण करेगा मंत्र तथा श्लोक सामूहिक रूप से पढ़े जाएंगे तथा भाष्य कोई एक आचार्य पढ़ेंगे। इन 32 वैदिक विद्वानों के दल का नेतृत्व आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के न्यासी तथा आदि शंकर ब्रह्म विद्यापीठ, उत्तरकाशी के आचार्य स्वामी हरिब्रह्मेंद्रानंद तीर्थ कर रहे हैं।

पारायण में सम्मिलित अन्य विद्वान - स्वामी अवणानंद गिरि जी महाराज, स्वामी गौरीशानंद, स्वामी अमृतानंद गिरी, स्वामी विश्वानंद पुरी, स्वामी देवेंद्र सरस्वती, स्वामी आत्मानंद गिरि, स्वामी सुबोधानंद, स्वामी सदाशिवानंद, स्वामी उत्तम आनंद गिरि, स्वामी अनंतात्मानंद तीर्थ, स्वामी परमानंद गिरि, स्वामी ज्योतिर्मयानंद तीर्थ, स्वामी आत्मनिष्ठानंद गिरी, स्वामी हरिओमानंद, ब्रह्मचारी चंदन, ब्रह्मचारी आत्मप्रिय, ब्रह्मचारी सोपान केशव, ब्रह्मचारी श्रीहरि, ब्रह्मचारी आलोक चैतन्य, ब्रह्मचारी भानुदास, ब्रह्मचारी कृष्ण एकनाथ बालासाहेब व ब्रह्मचारी रामदेव।

(सफलता की कहानी)
ड्रेगन फ्रूट की खेती कर किसानों के लिये मिसाल बने कटंगी के भूपेन्द्र

भोपाल । बालाघाट जिले की कटंगी तहसील के ग्राम सीताखो के युवा किसान भूपेन्द्र श्रणागत ड्रेगन रूट की खेती कर अन्य किसानों के लिये मिसाल बन गये हैं। भूपेन्द्र वर्ष 2021 से ड्रेगन रूट की खेती कर रहे हैं।

43 वर्षीय भूपेन्द्र बताते हैं कि उन्होंने एग्रीकल्चर सब्जे ट में पढ़ाई की है। उनका परिवार ल बे समय से खेत में धान, गेहूँ और चना की खेती करता आ रहा था। उन्होंने यह महसूस किया कि खेती की लागत से ज्यादा उन्हें लाभ नहीं हो रहा है। परिवार की सीमित आय को देखते हुए उन्होंने कुछ नया करने का विचार किया। उनके एक भाई नार्वे में रहते हैं। भाई की तरफ से उन्हें ड्रैगन रूट की खेती करने की सलाह मिली। फिर उन्होंने गोंदिया जिले के रायपुर स्थित किसान बालचन्द्र ठाकुर के फार्म जाकर ड्रैगन रूट की खेती की जानकारी ली।

भूपेन्द्र ने शुरुआत में 50 डिस्मिल खेत में ड्रेगन रूट की खेती प्रारंभ की। उन्होंने बताया कि ड्रेगन रूट की खेती के लिये खेत में एक निश्चित दूरी पर छोटे-छोटे बाँस के खंबे लगाये जाते हैं। इन खंभों पर अंगूर की खेती की तरह ही ड्रैगन रूट के पौधे लगाये जाते हैं। एक खंभे पर 4 पौधे लगाये जाते हैं। ड्रेगन रूट मूलतः अमेरिका का फल है और कै टस प्रजाति का पौधा है। एक बार इसका पौधा लगाने पर वह 25 सालों तक फसल देता है। किसान भूपेन्द्र बताते हैं कि ड्रेगन रूट की खेती पर 10 लाख रूपये की लागत लगा चुके हैं। इस वर्ष उन्हें 50 डिस्मिल के खेत में 3 क्विंटल ड्रैगन रूट की पैदावार मिली है। यह फसल 200 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से आसानी से घर बैठे बिक जाती है।

भूपेन्द्र का इरादा ड्रेगन रूट की खेती को बढ़ा कर 2 एकड़ तक करने का है। इसमें एक हजार पौधे लगायेंगे जिससे प्रति एकड़ 7 टन ड्रेगन रूट का उत्पादन मिलेगा। वे खेत में जैविक खाद का ही उपयोग कर रहे हैं। ड्रेगन फल एंटी ओ सीडेंट के साथ फेट रहित और उच्च फायबर युक्त होता है। इसके सेवन से पाचन तंत्र और ह यून सिस्टम मजबूत होता है। इसमें विटामिन सी भी पाया जाता है। इस वजह से इसकी मांग बाजार में हमेशा बनी रहती है।

नागरिकों के जीवन में खुशियाँ लाने के लिए मैं सरकार को परिवार की तरह चला रहा हूँ- मु यमंत्री चौहान

भोपाल। मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मैं सरकार को परिवार की तरह चला रहा हूँ। लोगो की जिन्दगी में खुशियाँ लाने के लिए मैं दिन-रत काम कर रहा हूँ। मु यमंत्री सीहोर जिले के भैरूंदा जनपद के ग्राम निमोटा में जनसंवाद एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्राम निमोटा में 6 करोड़ 30 लाख 31 हजार रूपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निःशुल्क राशन, मु यमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ आज हर व्यक्ति को मिल रहा है। मु यमंत्री ने कहा कि आप सभी मेरा परिवार हैं। आपकी तकलीफों को दूर करना, आपके चेहरों पर सदैव मुस्कुराहट बनाए रखना और आपकी आँखों में कभी आँसू नहीं आने देना मेरा फर्ज है।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मु यमंत्री लाड़ली बहना योजना बहनों के कल्याण के साथ ही उन्हें समाज और परिवार में स मान दिलाने का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि यह बहनों को आत्म-निर्भर बनाने वाली योजना है। इस योजना से बहनों के चेहरे पर मुस्कान आई है। पहले बहनों को योजना में एक-एक हजार रूपए की राशि प्रदान की गई, अब 1250 रूपए खाते में डाले जा रहे हैं और धीरे-धीरे 250 रुपए के मान से यह राशि बढ़कर 3000 रूपये प्रति माह की जायेगी। लाड़ली बहना और उज्ज्वला योजना के परिवारों को अब 450 रूपए में एलपीजी गैस सिलेण्डर दिया जाएगा। सभी पंचायतों में लाड़ली बहना के फॉर्म के लिए लगाए गए के पों की तरह ही एलपीजी गैस सिलेण्डर के लिए फॉर्म भरवाए जाएंगे। मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की किसी भी योजना का लाभ पाने से वंचित न रहे, इसके लिए मैं दिन-रात प्रयासरत हूँ। जिन लोगों के पास जमीन नहीं है, उन्हें पट्टा और मु यमंत्री आवास योजना में पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे। किसान भाइयों को प्रधानमंत्री किसान-कल्याण योजना में केन्द्र सरकार द्वारा 6000 रूपए दिए जाते हैं, अब प्रदेश सरकार की ओर से भी मु यमंत्री किसान-कल्याण योजना में दी जा रही 6000 रूपए की राशि मिलाकर किसानों को प्रति वर्ष 12000 रूपए की राशि मिल रही है।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी भांजे-भांजिया मन लगाकर पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि कक्षा 6 और 9 कक्षा के दूसरे गाँव स्कूल पढ़ने जाने वाले बच्चो को साइकिल खरीदने के लिए 4500 रूपए की राशि दी जा रही है।

समन्वय बैठक में वर्तमान प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों व सामाजिक परिवर्तन के प्रयासों पर होगी चर्चा — सुनील आंबेकर

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक 2023 पुणे में हो रही है, जिसमें 36 संगठनों के लगभग 266 प्रमुख पदाधिकारी सम्मिलित हो रहे हैं. पर्यावरण पूरक जीवनशैली, जीवन मूल्य आधारित परिवार व्यवस्था, समरसता का आग्रह, स्वदेशी का आचरण और नागरिक कर्तव्यों का वहन इन पांच मुद्दों पर बैठक में चर्चा की जाएगी. यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर जी ने दी. रा. स्व. संघ समन्वय बैठक के विषय में जानकारी देने हेतु आयोजित पत्रकार वार्ता में सुनील जी के साथ पश्चिम महाराष्ट्र प्रांत कार्यवाह डॉ. प्रवीण दबडघाव जी भी उपस्थित रहे.

उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक अपने शाखा कार्य के माध्यम से लगातार राष्ट्र की सेवा में लगे हुए हैं. शाखा के काम करने के साथ-साथ

समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्र में जाकर अलग-अलग प्रकार के कार्य में लगे हैं. वे सारे कार्य सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्य के लिए हैं.

बैठक में सम्मिलित होने वाले सभी संगठन संघ से प्रेरित हैं, समाज जीवन के सभी क्षेत्रों में स्वायत्त रूप से काम करते हैं. इन संगठनों की वर्ष में एक बार बैठक होती है, अपने कार्यों व अनुभवों को साझा करते हैं और इस अवसर पर एक दूसरे से सीखने और समझने का अवसर मिलता है. ये सभी संगठन समान उद्देश्य और लक्ष्य लेकर कार्य करते हैं. कई संगठन मिलकर काम करते हैं, बैठक में इस प्रकार के सामूहिक कार्यों पर भी चर्चा होती है.

बैठक का उद्देश्य होता है कि समाज के सामने जो चुनौतियां आती हैं, उनका संकलन कर एक दिशा तय करना और राष्ट्रीय भावना से कार्य करना, जिससे कार्य करने की गति बढ़ सके. लगभग जीवन के हर क्षेत्र में काम करने वाले अलग-अलग संगठन के प्रतिनिधि यहां पर सहभागी होंगे. यह सारे संगठन कई वर्षों से सामाजिक जीवन में सक्रिय हैं और अपने परिश्रम से उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है. इसमें अपने-अपने क्षेत्र के उनके जो अनुभव हैं, वह इस बैठक में साझा करेंगे. राष्ट्रीय स्थिति और वर्तमान परिदृश्य के संदर्भ में भी वह अपने अनुभव यहां बताएंगे. उससे जुड़े हुए कई विषयों पर यहां मूलभूत चिंतन भी होगा और संगठन की आगामी या दिशा है, अपने-अपने क्षेत्र में उन्होंने या सोचा है, इसके बारे में भी अपनी योजनाओं को यहां पर साझा करेंगे. उन्होंने कहा, कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन जी भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय जी होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल जी, डॉ. मनमोहन वैद्य जी, अरुण कुमार जी, मुकुंद जी और रामदत जी चकधर सहित प्रमुख पदाधिकारी बैठक में सम्मिलित होंगे. बैठक में विद्या भारती, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, संस्कृत भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, सेवा भारती, विश्व हिन्दू परिषद, राष्ट्र सेविका समिति, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ सहित अन्य सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधि सहभागी होंगे.

उन्होंने बताया कि सामाजिक परिवर्तन के जो प्रयास चल रहे हैं, उसमें जीवन मूल्यों के साथ परिवार चलने चाहिए, अपने जीवन को पर्यावरण की सुरक्षा के साथ चलाना चाहिए, स्वदेशी के साथ अपनी आर्थिक नीतियां बननी चाहिए और साथ ही यह सब करते हुए हमारे जीवन में समरसता का संदेश होना चाहिए ताकि जातिगत भेदभाव समाप्त हो. ऐसे कई विषयों पर इन तीन दिनों में चर्चा होगी.

यह बैठक प्रतिवर्ष आयोजित होती है. पिछले वर्ष बैठक छत्तीसगढ़ रायपुर में आयोजित हुई थी.

देर रात हुई तेज बारिश से आधा दर्जन रहवासी क्षेत्र की बिगाड़ी सूरत, स्थानीय प्रशासन फेल

आपदा प्रबंधन के लगभग दो करोड़ के काम पानी में बहे

छपारा यशो:- नगर में गुरुवार देर रात से शुक्रवार सुबह तक लगभग चार घण्टे हुई मूसलाधार बारिश ने स्थानीय प्रशासन के विकास कार्य की हवा निकाल दी। भ्रष्टाचार का आलम यह की विगत दो माह पूर्व नगर के विभिन्न वार्डों में लाखो को लागत से नाली निर्माण कराया गया था, जिनमे पानी ऊपर से बहता हुआ देखा गया। वही आपदा प्रबंधन के नाम पर करोड़ रुपए खर्च करके शहर के मध्य से बहने वाले नाले में रिटर्निंग वॉल बनाई गई जिसका नुकसान यह हुआ कि नाले की जगह पानी अब लोगो के घरों के अंदर से बहने लगा इसका एक पैसे का उपयोग इस बारिश मे देखने को नही मिला, और जहा आवश्यता थी उस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया गया।

ज्ञात हो कि लगातार हुई बारिश से नगर के आधा दर्जन रहवासी इलाकों में पानी घुस गया जिससे इन घरों में रहने वाले लोगों को सुबह चार बजे से भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, एक तरफ घर में रखा खाने-पीने का सामान, कपड़े, फर्नीचर इत्यादि बर्बाद हो गए।

बताया जाता है कि गुरुवार देर रात से शुक्रवार सुबह तक हुई बारिश का सबसे ज्यादा असर महाराणा प्रताप कालोनी, हाईवे कालोनी, हनुमान कालोनी,जामा मस्जिद इलाका,संजय कॉलोनी और माता वार्ड में देखा गया,यहाँ के ज्यादातर घरों में एक से डेढ़ फीट पानी घुसा गया था, बारिश बंद होने के बाद घंटों लोगों को घरों से पानी निकालना पड़ा।

वही स्थानीय प्रशासन द्वारा इस ओर कभी ध्यान नही दिया गया,साथ ही बारिश के पूर्व यों इंतजाम नहीं किए जाते जबकि इन इलाकों में प्रति वर्ष बारिश के दिनो मे इसी तरह जलभराव का सामना करना पड़ता है। कई वर्षो से ऐसा होता आ रहा है जहां जलभराव की स्थिति रहवासी इलाकों में बन रही है, लेकिन बारिश के पूर्व इनसे निपटने के लिए व्यापक इंतजाम नही किए जाते हैं। वही विगत जून माह मे सड़क के किनारे हाइवे कालोनी के सामने से संजय कालोनी तिराहे की ओर बनाई गई नाली का आलम यह रहा की उसका पानी उल्टा महाराणा कालोनी के अंदर आता दिखाई दिया।

फोरलेन बायपास से आता है रिहायशी इलाकों में पानी

ज्ञात हो कि छपारा में जब से एन एच 7 रोड का बायपास मार्ग बना है तब से पहाड़ और जंगल का पानी जो पूर्व में खेतों के किनारे मेड़ों से होकर बेनगंगा नदी पहुंच जाता था,तो सड़क निर्माण कंपनी द्वारा इस पहाड़ो से आने वाले पानी की दिशा रिहायशी इलाकों की ओर कर दिया गया तब से तेज और मूसलाधार बारिश की स्थिति में इन आधा दर्जन रिहायशी इलाकों में जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, और यही स्थिति विगत 10 वर्षों से बनी हुई है जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन भी मौन नही है, यदि स्थानीय प्रशासन इस मामले मे गंभीर होता तो करोड़ रुपए जो अनावश्यक नाले की घटिया रिटर्निंग वॉल में लगाए उसकी जगह आपदा प्रबंधन की इस राशि से फोरलेन बायपास रोड के किनारे किनारे बड़ी नाली का निर्माण किया जाता तो इन रहवासी इलाकों के लोगों हर साल बारिश के दिनो मे दिक्कतो का सामना नही करना पड़ता। किंतु इसको लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए वही जब तेज बारिश होती है और इन क्षेत्रों में अफरा-तफरी मची है, तब प्रशासन तमाशाबीन बनकर सिर्फ तमाशा देखता रहता है यदि बरिस के पूर्व स्थिति को सुधार कर लिया जाता तो इस समस्या का हल हो सकता था।

नगर परिषद के जि मेदारों को पार्षदो ने सोपा आवेदन

अत्यधिक बरसात के चलते नगर परिषद छपारा के वार्ड नं 5 अ बेडकर वार्ड और विवेकानंद वार्ड नं 10 में बने नाले में अत्यधिक बरसात होने के कारण नाला उफान आने पर नाले में एक तरफ बनी अतिरिक्त रिटर्निंग वाल की ऊँचाई अधिक होने के कारण पानी के बहाव की जगह न होने से पानी का तेज़ बहाव वार्ड नं 5 की ओर एवं वार्ड नं 10 विवेकानंद वार्ड में बने घर जलमग्न हो गए घरो के अंदर पानी भर गया जिससे पूरा जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है दोनो वार्ड में अधिकतर मजदूर वर्ग के लोग निवास करते हैं जो दिहाड़ी मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का जीवन यापन करते है जल भराव की स्थिति को देखते हुए नगर परिषद के अधिकारियों के द्वारा जलभराव क्षेत्र का निरीक्षण नगर परिषद के मु य कार्यपालन अधिकारी श्याम गोपाल भारती ने पार्षद रामेश्वर बाजरा एवं नीलू नागेश की उपस्थिति में तत्काल पानी निकासी एवं पुलिया में फसे लकड़ी डुंडे को हटाने हेतु कर्मचारियों को आदेशसित किया

वार्ड न 5 अ बेडकर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि एवम नगर परिषद सांसद प्रतिनिधि नीलू नागेश वार्ड 10 के पार्षद रामेश्वर बंजारा के द्वारा नगर परिषद पहुचकर नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती निशा सुरेश पटेल की उपस्थिति में दोनो वार्डों के बीच बहने वाले नाले पर नवनिर्माण कर बड़ी पुलिया बनवाने की मांग की इस हेतु नगर परिषद सीएमओ श्याम गोपाल भारती को आवेदन सौपा जिससे कि बड़ी पुलिया बनने से वार्ड में जलभराव की स्थिति को रोका जा सकता है।

मु यमंत्री चौहान 17 सित बर को "मु यमंत्री लाडली बहन आवास योजना" का करेंगे शुभारंभ

सिवनी यशो:- मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 17 सित बर 2023 को भोपाल "मु यमंत्री लाडली बहन आवास योजना" का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से मु यमंत्री श्री चौहान हितग्राहियों को बुलाकर मु यमंत्री लाडली आवास योजना के विषय में जानकारी देंगे। उक्त राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया जाएगा।

योजना अंतर्गत आवेदन - प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस एप पोर्टल पर पंजीकृत परिवार जो कि भारत सरकार के एमआईएस पोर्टल पर स्वतः रिजे ट हुये है। भारत सरकार के एमआईएस पोर्टल पर दर्ज होने से छूटे एवं चिन्हित परिवार। ऐसे परिवार जो सामाजिक आर्थिक एवं जातिगत जनगणना 2011 एवं आवास प्लस की सूची में शामिल नहीं है तथा उन्हें केन्द्र अथवा राज्य की किसी भी आवास योजना का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है।

फार्म भरने की प्रक्रिया अंतर्गत योजना हेतु निर्धारित आवेदन फार्म जनपद पंचायतों द्वारा ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराये जावेगें। आवेदन पत्र के साथ समग्र आईडी, आधार न बर, बैंक खाता क्रमांक, जॉब कार्ड (अगर उपलब्ध हो तो), लाडली बहना का पंजीयन क्रमांक (केवल लाडली बहना योजना के हितग्राहियों के लिये) की स्वयं के द्वारा सत्यापित प्रति अनिवार्य रखा गया है।

ग्राम पंचायत में प्राप्त होने वाले सभी आवेदन पत्रों की सूची प्रतिदिन ऐ सल शीट में जनपद पंचायत को भेजी जायेगी, जनपद पंचायत द्वारा ग्राम पंचायतों से प्राप्त आवेदनों को आवास पोर्टल पर पंजीकृत किया जावेगा।। ग्राम पंचायत द्वारा योजनांतर्गत 17 सित बर 2023 से 5 अे टूबर 2023 तक आवेदन प्राप्त किये जायेगें।

हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

छपारा यशो:- सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय छपारा में हिंदी दिवस के अवसर पर विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान की योजना अंतर्गत मातृभाषा हिंदी में छात्रों की निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वही संस्था के प्राचार्य जितेंद्र सोनी द्वारा बताया गया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु यह दृढ़ मान्यता है कि यदि हमारे छात्रों को आधुनिक ज्ञान विज्ञान के साथ अपनी महान संस्कृति, गौरवपूर्ण इतिहास, महापुरुषों के जीवन चरित्र, श्रेष्ठ राष्ट्रीय परंपराओं का परिचय कराया जाए तो आज के निराशा पूर्ण वातावरण में भी आशा की किरण उत्पन्न होकर विद्यार्थी जगत में अपेक्षित परिवर्तन दिखाई देगा इसी उद्देश्य से विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के द्वारा विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसके अंतर्गत कक्षा चौथी से पांचवी तक के बच्चों के लिए स्वच्छ रहें स्वस्थ रहें विषय में निबंध लेखन किया गया, वहीं कक्षा छठवीं,सातवीं, आठवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा जैसा खाएं अन्न वैसा बने मन विषय अंतर्गत निबंध लेखन किया गया, वहीं कक्षा नौवीं, दसवीं के छात्र-छात्राओं के लिए विषय दिया गया स्वावलंबी, स्वाभिमानी देश बनाय, साथ ही कक्षा ग्यारहवीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए नवसंचार माध्यमों का सदुपयोग। इन विभिन्न विषयों अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमेंविद्यालय के सैकड़ेकीसं या मेछात्र छात्राओंनेउत्साह पूर्वक सहभागिता कर अपनी लेखन कला का परिचय दिया।इस आयोजन में विद्याभारती सरस्वती शिशु मंदिर के जिला सचिव विनित मंटू अग्रवाल एवम चुन्नीलाल बोपचे द्वारा विद्यालय अवलोकन कर आचार्य व समिति परिवार के साथ बैठक कर मार्गदर्शन भी प्रदान किए।

एफ एल एन मेले में बच्चों ने दिखाएं हुनर, खुशी से झूमे पालक

सिवनी यशो:- राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के प्रमुख लक्ष्य बुनियादी साक्षरता एवं सं यात्मकता (FLN) के कौशलों के गुणात्मक विकास के लिए प्रत्येक प्राथमिक शाला में कक्षा एक एवं दो के बच्चों के लिए स्वस्थ मेला आयोजित किया गया ।

अरुण राय बीआरसीसी सिवनी ने बताया कि दिनांक 14 सितंबर को आयोजित किए गए स्वस्थ मेले में एमसी के अध्यक्ष सदस्य एवं भारी सं या में बच्चों के माता-पिता एवं पालकों की अकल्पनीय उपस्थिति रही ।

विकासखंड की संपूर्ण प्राथमिक शालाओं में स्वस्थ मेले में शारीरिक विकास, भाषा विकास, बौद्धिक विकास, गणित की पूर्व तैयारी एवं बच्चों का कोना के काउंटर बनाए गए जिसमें गतिविधियों के लिए सहायक सामग्री रखी गई प्रत्येक बच्चे को कार्ड दिए गए उनके द्वारा किए गए कार्य प्रदर्शन को शिक्षकों के साथ-साथ उनके माता-पिता एवं पालकों ने भी प्रत्यक्ष देखा यह बच्चों के प्रतिभा और कौशल को देखकर माता-पिता बहुत खुशी दिखाई दिए:।

विकास खण्ड सिवनी आयोजित स्वस्थ मेले में जिला शिक्षा अधिकारी श्री के के पटेल द्वारा समनापुर एवं आमाझिरिया, डीपीसी श्री एम के बघेल द्वारा लूघरवाडा, बीईओ श्री आरआर पाटिल द्वारा मुंण्डरहीखुर्द, श्री अरुण राय श्री कपिल बघेल श्री मनोज नाग (बीएसी द्रय)श्री ब्रजमोहन बघेल के द्वारा पुलिस लाइन सिवनी, भोमा खेड़ा, बलारपुर, सिहोरा और भाटीवाड़ा की शालाओं में आयोजित स्वस्थ मेला में सम्मिलित हुए इसी क्रम में जनपद शिक्षा केंद्र के गजेंद्र बघेल श्रवण साहू द्वारा प्राथमिक शाला चुना भट्ठी और सीएसराइज स्कूल तथा श्रीमती सरिता राहंगडाले द्वारा कांचना, भाटीवाडा, जेवनारा, जोगीवाड़ा, पौड़ी और बीसावाडी केस्वस्थ मेले उप.दी.गयी।

भ्रमण की गयी इन शालाओं मे श्रीमती अल्पा शर्मा, श्रीमती सीमा ठाकुर, श्री संजय तिवारी, श्री से सेना, श्री मोहनलाल मरपे, श्री दिलीप कटरे, श्रीमती रीना कटरे श्री सादिक खान के साथ साथ सभी 14 केंद्रों के जनशिक्षकों के द्वारा भी अपने केन्द्र अंतर्गत शालाओ मे आयोजित एफ एल एन मेले का भ्रमण करके बच्चो एवं शिक्षको का उत्साहवर्धन किया गया।

अंत मे अरुण राय ने FLN मेले मे उपस्थित होने के लिए वि.ख.के समस्त प्राचार्य, जनशिक्षक, शिक्षको, एस एम सी, जनप्रतिनिधियों एवं पालको सहित बच्चो को बधाई देते हुए आभार जताया गया।।

सात साल पहले हुई थी हत्या, अब मिलेगा चार लाख रुपये का प्रतिकर

शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

स्कूलों का अवकाश घोषित

चार लाख रुपये की प्रतिकर राशि

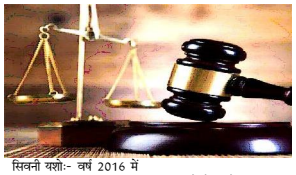

सिवनी यशो:- वर्ष 2016 में लखनादौन थाना क्षेत्र के अटामा निवासी सुषमा झारिया ने पति श्याम सिंह की हत्या होने पर थाना लखनादौन में एफआइआर दर्ज कराई थी। अपराध के संबंध में प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में न्यायालय ने निर्णय पारित करते हुए आश्रितों को प्रतिकर दिलाने की अनुशंसा कर निर्णय की सत्यापित प्रति विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी को भेजी थी। प्रदान करने के आदेश पारित किया है

प्रकरण में कार्यवाही कर विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव विकास शर्मा ने कले टर व तहसीलदार लखनादौन को नोटिस जारी कर मृतक के आश्रितों तथा आय के संबंध में जानकारी तलब की। तहसीलदार के प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने मृतक की पत्नी सुषमा झारिया, मृतक की वृद्ध माता सुको बाई व मृतक की एक अवयस्क पुत्री व दो अवयस्क पुत्र को कुल चार लाख रुपये की प्रतिकर राशि प्रदान करने के आदेश पारित किया है।

सचिव विधिक सेवा ने बताया कि मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश व राजीव एम. आप्टे अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में नालसा, सालसा तथा शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निरंतर कार्य कर रहा है।

सड़क की मांग को लेकर चरगवा और भीमगढ़ के लोग पहुंचे कले ट्रेट, सौंपा ज्ञापन

सिवनी यशो:- सिवनी जिले के छपारा विकास खण्ड अंतर्गत आने वाले चरगवा और भीमगढ़ के लोग सड़क जैसी मूलभूत सुविधा से जूझ रहे हैं। वहीं सरकार के प्रति भी उनकी नाराजगी दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार चरगवा और भीमगढ़ के ग्रामवासी सड़क निर्माण की मांग को लेकर कले टर के पास पहुंचे।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम चरगवा से भीमगढ़ का लगभग 3 किलोमीटर सड़क मार्ग बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे आने-जाने में ग्रामीणों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा है। वही विगत कई सालों से ग्रामीणों की एक रोड की मांग है, लेकिन किसी भी प्रकार से जनप्रतिनिधियों की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया गया और आज तक रोड नहीं बनवाई गई।

दिव्यांग और वरिष्ठजन उपकरण वितरण शिविर अब 24 सित बर को

भोपाल । केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा देश के 74 जिलों में दिव्यांगजन और वरिष्ठजनों के लिये उपयोगी सहायक उपकरण वितरण शिविर अब 24 सित बर को होंगे। चयनित जिलों में मध्यप्रदेश के 19 जिले अशोकनगर, टीकमगढ़, शिवपुरी, इंदौर, खंडवा, उमरिया, कटनी, नर्मदापुरम, गुना, निवाडी, नीमच, डिण्डौरी, अलीराजपुर, विदिशा, मंडला, सीधी, छतरपुर, श्योपुर और भोपाल शामिल हैं। मध्यप्रदेश के 19 जिलों के 8 हजार 277 दिव्यांग और वरिष्ठजन को 9 करोड़ 53 लाख 79 हजार रूपये लागत के सहायक उपकरण मिलेंगे। उपकरण मिलने से इनका जीवन असान हो जायेगा।

एडिप (स्कीम ऑफ असिस्टेंस टू डिसेबल्ड पर्सन फॉर परचेज/ फिटिंग ऑफ एडस एण्ड एपलांइनसेस) और राष्ट्रीय वयोश्री योजना में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सहायक उपकरणों का वितरण किया जायेगा। अर्जुन पोर्टल के माध्यम से होने वाले वितरण कै प में सहायक उपकरणों की प्रविष्टि स्पर्श पोर्टल पर कराई जायेगी।

टीकमगढ़ जिले में 1201 हितग्राहियों को एक करोड़ 21 लाख 49 हजार, अशोकनगर में 391 को 42 लाख 13 हजार, शिवपुरी में 716 को एक करोड़ 24 लाख 89 हजार, इंदौर में 318 को 11 लाख 18 हजार, खंडवा में 374 को 18 लाख 60 हजार, उमरिया में 333 को 31 लाख 81 हजार, कटनी में 609 को 66 लाख 30 हजार, नर्मदापुरम में 918 हितग्राहियों को 84 लाख 5 हजार रूपये लागत के सहायक उपकरणों का वितरण होगा।

गुना में 300 हितग्राहियों को 40 लाख, निवाडी में 332 को 51 लाख 62 हजार, नीमच में 194 को 36 लाख 11 हजार, डिंडौरी में 405 को 33 लाख 13 हजार, अलीराजपुर में 253 को 45 लाख 50 हजार, विदिशा में 269 को 41 लाख 80 हजार, मंडला में 536 को 62 लाख 47 हजार, सीधी में 355 को 51 लाख 19 हजार, छतरपुर में 306 को 15 लाख 46 हजार, श्योपुर में 217 को 51 लाख 6 हजार और भोपाल में 250 हितग्राहियों को 25 लाख के उपकरण वितरित किये जायेंगे।

मु यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना लागू, हितग्राहियों के चयन संबंधी निर्देश जारी

17 सित बर से 5 अे टूबर तक भरे जायेंगे आवेदन, 4 लाख 75 हजार से ज्यादा हितग्राहियों को मिलेगा लाभ

भोपाल । विभिन्न आवास योजनाओं में आवास सुविधा का लाभ मिलने से छूट गये परिवारों को मु यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना में अपना आवास मिलेगा। इस योजना से 4 लाख 75 हजार से ज्यादा हितग्राहियों को लाभ मिलेगा। राज्य शासन ने योजना के हितग्राहियों के चयन करने संबंधी निर्देश जारी कर दिए हैं। हितग्राहियों से 17 सित बर से 5 अे टूबर 2023 तक आवेदन पत्र प्राप्त किये जायेंगे।

इन हितग्राहियों को मिलेगा योजना का लाभ

मु यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना में 3 लाख 78 हजार 662 उन परिवारों को लाभ मिलेगा जो प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में आवास प्लस एप पोर्टल पर पंजीकृत हैं और जिनके आवेदन भारत सरकार के एमआईएस पोर्टल पर स्वतः रिजे ट हो गये हैं।

योजना का लाभ एमआईएस पोर्टल पर दर्ज होने से छूटे एवं चिन्हित 97 हजार परिवार को भी मिलेगा। लाड़ली बहना आवास योजना में उन परिवारों को भी लाभ मिलेगा, जो सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना 2011 एवं आवास प्लस की सूची में शामिल नहीं है और जिन्हें केन्द्र अथवा राज्य की किसी भी आवास योजना का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है।

इन्हें भी मिलेगा लाभ

मु यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना में वे परिवार शामिल होंगे जिनके पास पक्की छत वाले मकान नहीं है अथवा दो से कम कमरों वाले कच्चे मकानों में निवासरत हो, मोटरयुक्त चौपहिया वाहन स्वामी नहीं हो या जिनके परिवार का कोई सदस्य शासकीय सेवा में नहीं हो, उसकी मासिक आय 12000 या कम हो। साथ ही परिवार का कोई सदस्य आयकरदाता नहीं हो और 2.5 एकड़ या इससे कम सिंचित भूमि हो अथवा 5 एकड़ से कम असिंचित कृषि भूमि हो।

ग्राम पंचायतों में जमा होंगे आवेदन

मु यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना के आवेदन जनपद पंचायतों द्वारा ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराये जायेंगे। आवास योजना में निर्धारित पात्रता रखने वाले ऐसे हितग्राही ग्राम पंचायत द्वारा प्रदाय किये गये आवेदन-पत्र में सभी बिन्दुओं की जानकारी भरकर फार्म ग्राम पंचायत में जमा करायेंगे। सचिव / ग्राम रोजगार सहायक द्वारा उन्हें आवेदन की पावती दी जायेगी। आवेदन-पत्र के साथ समग्र आईडी, आधार न बर, बैंक खाता क्रमांक, जॉब कार्ड (अगर उपलब्ध है), लाड़ली बहना का पंजीयन क्रमांक (केवल लाड़ली बहना योजना के हितग्राहियों के लिये), की स्वयं के द्वारा सत्यापित प्रति जमा करना होगा।

जनपद पंचायत मेंपंजीयन, जिला पंचायत में स्वीकृति

ग्राम पंचायत में प्राप्त होने वाले सभी आवेदन-पत्रों की सूची प्रतिदिन ऐ सल शीट में जनपद पंचायत को भेजी जायेगी। जनपद पंचायत द्वारा ग्राम पंचायतों से प्राप्त होने वाले सभी आवेदन-पत्रों को pmayg.nic.in पोर्टल पर लॉगिन कर «मु यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना» में हितग्राहियों को पंजीकृत किया जायेगा।

आवेदन-पत्र प्राप्त किये जाने की अंतिम तारीख के एक सप्ताह में सीईओ जनपद पंचायत द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्रों की पंचायतवार सूची मु य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को भेजी जायेगी।

मु य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, पंचायतवार प्राप्त सूची का परीक्षण करायेंगे। परीक्षण के बाद पात्र हितग्राहियों की ग्राम पंचायत/जनपद पंचायतवार जानकारी (सूची) राज्य शासन को प्रेषित करेंगे एवं राज्य शासन का अनुमोदन प्राप्त होने पर हितग्राहियों के आवास स्वीकृति की कार्यवाही मु य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा की जायेगी।

स्वीप गतिविधियों में नवाचार का प्रयास करें - श्रेयांश कूमट

मंडला यशोः- आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप गतिविधियों के बेहतर संचालन संबंधी बैठक का जिला पंचायत में आयोजन किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयान्स कूमट ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जिले में आयोजित की जा रही स्वीप गतिविधियों में विविधता लाएं जिससे ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं तक इनका प्रभाव पहुंचाया जा सके। उन्होने कहा कि सभी विभाग इसके लिए स्वीप कैलेन्डर तैयार करें और गतिविधियों में नवाचार का प्रयास करें। शतयू मतदाताओं के साथ युवा मतदाताओं का संपर्क कार्यक्रम आयोजित करें जिससे वरिष्ठ मतदाता अपने अनुभवों को युवाओं के साथ साझा कर सकें। ईव्हीएम तथा व्हीव्हीपेट के प्रदर्शन के संबंध में उन्होंने निर्देशित किया कि मॉकपोल आदि कराते समय बैनर अथवा ले स अनिवार्य रूप से लगाएं। साथ ही इस दौरान लिए गए फोटोग्राफ जियो टैगिंग के साथ ही लें जिससे इन फोटोग्रा स का दुरूपयोग से बचा जा सके। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि विभिन्न विभाग आपस में समन्वय कर बेहतर गतिविधियों का संचालन कर सकते हैं जिससे मतदाता जागरूकता के कार्य को समग्र और व्यापक बनाया जा सकता है। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि मधुअली, एपीसी हरिन्द्र वर्मा, कन्या हाईस्कूल बिंझिया प्राचार्य मुकेश पांडे के साथ सभी जनपद पंचायतों के मु य कार्यपालन अधिकारी, समस्त बीईओ, बीआएसी, समस्त सीडीपीओ, ब्लॉक मैनेजर्स एनआरएलएम सहित संबंधित उपस्थित रहे।

चुटका परियोजना के सौजन्य से जिले को मिली 9 ए बूलेंसों की सौगात

कले टर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने जिला चिकित्सालय प्रांगण से 9 ए बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये सभी ए बूलेंस न्यूॅ लयर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड चुटका मध्यप्रदेश परमाणु विद्युत परियोजना के सौजन्य से निगम सामाजिक उत्तरदायित्व कार्य के अंतर्गत जिले के लिए प्रदान की गई हैं। इस अवसर पर कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि जिलेवासियों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने में ये ए बूलेंस सहायक बनेंगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे ए बूलेंसों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दें। जिले के सभी क्षेत्रों को समान रूप और संवेदनशीलता के

साथ ए बूलेंस सुविधा का लाभ प्रदान करें। कले टर ने ए बूलेंस की संचालन प्रक्रिया के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस अवसर पर न्यूॅ लयर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड चुटका मध्यप्रदेश परमाणु विद्युत परियोजना की ओर से इकाई प्रमुख एस.के. गुमास्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि इन ए बूलेंसों के संचालन से जिले की स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर बनेंगी। उन्होंने भविष्य में भी जनहित के कार्यों के लिए परियोजना की ओर से सीएसआर मद से राशि उपलब्ध कराने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर चुटका विद्युत परियोजना सीएसआर समिति के अध्यक्ष के.सी. शर्मा, सदस्य सचिव होशियार सिंह एवं सदस्य कपिल कुमार गुप्ता, एसीईओ जिला पंचायत क्षमा सराफ, मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीनाथ सिंह, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

माधोपुर सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास के लिए चुटका परियोजना देगा 8 लाख

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए बिछिया विकासखंड के माधोपुर में संचालित सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास के भवन के मर मत के लिए न्यूॅ लयर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड चुटका मध्यप्रदेश परमाणु विद्युत परियोजना द्वारा 8 लाख रूपए प्रदान किए जाएंगे। प्रास जानकारी के अनुसार कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने उक्त छात्रावास का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए तथा इस संबंध में उन्होंने व्यक्तिगत रूचि लेते हुए चुटका परियोजना के अधिकारियों से सीएसआर मद से राशि उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की थी। कले टर के निर्देशानुसार समय-सीमा में प्राक्कलन तैयार कर परियोजना को प्रेषित किए गए जिसके आधार पर राशि स्वीकृत करते हुए आज अनुबंध की कार्यवाही कले टर डॉ. सलोनी सिडाना की उपस्थिति में पूर्ण की गई। चुटका पसाणु विद्युत परियोजना की ओर से इकाई प्रमुख एस.के. गुमास्ता एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी क्षमा सराफ के मध्य अनुबंध किया गया। चुटका परियोजना के अधिकारियों ने कहा कि परियोजना, प्रभावितों के लिए इसी प्रकार के जन कल्याणकारी कार्य भविष्य में भी जारी रहेंगे। चुटका परियोजना की ओर से जिले में अब तक 15 करोड़ से अधिक राशि के जनउपयोगी कार्य कराए गए हैं।

मंडला विधायक के वाहन को तेज र तार ट्रक ने मारी टक्कर, बाल बाल बचे

मंडला यशोः- मंडला विधायक देव सिंह सैयाम के वाहन का अगला भाग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। र तार अधिक होने के कारण मोड़ पर वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया। जिला मु यालय स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक में शामिल होने के लिए आ रहे थे। मंडला विधायक देव सिंह सैयाम के वाहन को तेज र तार ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। दुर्घटना में विधायक, उनका वाहन चालक, गन मैन बाल-बाल बच गए। हालांकि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक क्रमांक आरजे 11 सीसी 5689 का चालक अमर सिंह पिता घनश्याम यादव, उम्र 45 साल, ग्राम जमालपुर, थाना ललितपुर, उत्तर

प्रदेश अपने ट्रक से माल अनलोड करके वापस ललितपुर की ओर जा रहा था। गुरुवार की दोपहर लगभग 12 बजे का है। महाराजपुर थाने के विवेचना अधिकारी दीपक बैरागी ने बताया कि घंसौर मार्ग पर जारगा गांव के निकट सामने से आ रहे तेज र तार से लापरवाहीपूर्वक ट्रक चलाते हुए अमर सिंह ने टक्कर मार दी। र तार अधिक होने के कारण वह मोड़ पर वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया और सामने से आ रही विधायक के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में विधायक देव सिंह सैयाम के वाहन का अगला भाग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ श। मामले की जानकारी तत्काल महाराजपुर थाने को दी गई। महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक चालक को गिर तार करते हुए ट्रक को जब्त किया और महाराजपुर थाना परिसर में खड़ा किया। मंडला विधानसभा के विधायक देव सिंह सैयाम जिला मु यालय स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए आ रहे थे लेकिन रास्ते में यह दुर्घटना घट गई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

झोलाछाप डो टरों के विरूद्ध स त कार्यवाही करने के निर्देश

मंडला यशोः- मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने विकासखण्ड के अंतर्गत नगरीय एवं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से कार्य कर रहे फर्जी झोलाछाप डो टरों के विरूद्ध स त एवं प्रभावी कार्यवाही कर अवैध रूप से किये जा रहे चिकित्सा कार्य को तत्काल रूप से बंद कराएं। खण्ड चिकित्सा अधिकारी अपने विकासखण्ड के अंतर्गत नगरीय एवं विभिन्न ग्रामों में अवैध रूप से कार्य कर रहे नीम हकीम, झोलाछाप डॉ टरों को चिन्हांकित कर संबंधित एस.डी.एम., तहसीलदार एवं थाना प्रभारी के सहयोग से कार्यवाही कर संबंधित फर्जी झोलाछाप डॉ टर के विरूद्ध स त कार्यवाही करें। यदि इनकी योग्यता से पृथक अन्य किसी चिकित्सा पद्धति की उपचार सामग्री, दवा पर्ची, चिकित्सकीय उपकरण, प्रचार सामग्री इत्यादि दिखाई देते हैं तो जब्त कर प्रकरण कायम करें एवं अवैध लीनिक को एस.डी.एम. अथवा तहसीलदार के द्वारा सीलबंद कराएं। उन्होंने खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को पूर्व में भी निर्देशित किये जाने के बावजूद झोलाछाप डॉ टरों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही नहीं करने पर स त नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यदि कोई झोलाछाप डॉ टर अवैध रूप से कार्य करता पाया जाता है तो इसके लिये संबंधित विकासखण्ड के खण्ड चिकित्सा अधिकारी जि मेदार होंगे।

नोडल अधिकारियों की बैठक 18 सितंबर को

मंडला यशोः- विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के तहत निर्वाचन से संबंधित कार्यों के मूल्यांकन एवं ईव्हीएम मशीन के संचालन के संबंध में नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक 18 सित बर 2023 को आयोजित की गई है। यह बैठक जिला योजना भवन में टीएल के बाद होगी। समस्त नोडल अधिकारियों को वांछित जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराएं - डॉ. सिडाना

कले टर ने किया ब्लडबैंक का निरीक्षण

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने जिला चिकित्सालय में संचालित ब्लडबैंक का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्यों तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। कले टर ने कहा कि ब्लडबैंक से प्रदाय की जाने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाएं। उपलब्ध मशीनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करें। मशीनों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दें। निरीक्षण के दौरान कले टर ने ब्लड की उपलब्धता के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा व्यवस्थाओं को

सुलभ बनाते हुए ब्लडबैंक की प्रक्रिया को व्यवहारिक बनाएं। मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराएं। परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। प्रतीक्षालय में सोफा एवं कूर्सी की व्यवस्था करें। कले टर ने रक्तदाताओं से भी चर्चा करते हुए उनसे फीडबैक प्राप्त किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मंडला ऋषभ जैन, मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीनाथ सिंह, सिविल सर्जन विजय धुर्वे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

50 बिस्तरीय बनेगा निवास का सिविल अस्पताल

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के ऊन्नयन को मंजूरी 11 करोड़ 34 लाख 86 हजार रूपए स्वीकृत

मंडला यशोः- लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निवास के ऊन्नयन को मंजूरी प्रदान की गई है। इस संबंध में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि अनुसूचित जनजाति उपयोजना क्षेत्र अंतर्गत 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निवास अब 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन में ऊन्नयित किया जाएगा। इस हेतु 11 करोड़ 34 लाख 86 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्रदाय कर दी गई है। क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पहल की गई थी जिसके आधार पर यह स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि सिविल अस्पताल के फर्नीचर क्रय के लिए भी 8 लाख 14 हजार रूपए की स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य हेतु परियोजना क्रियान्वयन इकाई लोक निर्माण विभाग (भवन) एजेंसी होगी।

कले टर ने की आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्य की समीक्षा

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि इस वर्ष स्वीकृत निर्माण कार्यों को जल्द प्रारंभ कराएं। पूर्व वर्ष में स्वीकृत भवनों में अब तक किए गए कार्य का सत्यापन कराएं। जिन स्थानों पर भवन के लिए जमीन उपलब्ध नहीं है उनके लिए नियमानुसार परिवर्तन का प्रस्ताव भेजें। कले टर ने कहा कि निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करें। कार्यों को उचित गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण कराएं। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले एजेंसियों के विरुद्ध कार्यवाही करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयान्स कूमट सहित संबंधित उपस्थित रहे।

युवा उत्सव के अन्तर्गत चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

मंडला यशोः- रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मण्डला में आज दिनांक 14 सित बर 2023 को युवा उत्सव के अन्तर्गत चित्रकला, स्पॉट पेंटिंग एंव रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्रीमती विनिया बेनेट, डॉ.नवीन तेकाम, श्रीमती सं या डेहरिया, श्रीमती जयंती पटैल, श्रीमती अनुराधा पाण्डेय, का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती सैयद निहा द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों की हौसला अफजाई के लिए वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.उर्मिला खरपुसे ने चित्रकला एवं रंगोली का अवलोकन किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से अनाथबालक बालिका को मिली सहायता

बालाघाट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की योजनाओं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जरूरतमंद व्यक्तियों को लाभान्वित किये जाने का कार्य निरंतर किया

जा रहा है।इसी तारत य में जिला प्राधिकरण बालाघाट के अंतर्गत ग्राम पंचायत भरवेली में लीगल एड लिनिक के कार्यदिवस में एक ऐसे परिवार का मामला प्रकाश मे आया जिसमें माता-पिता की मृत्यु होने के बाद 2 बालक व 01 बालिका अनाथ रह रहे थे। जिनकी जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट को पैरालीगल वालेन्टियर ग्राम पंचायत भरवेली के माध्यम से प्राप्त होने के पश्चात त्वरित कार्यवाही करते हुए बालको को बाल गृह में भेजे जाने के लिये बाल कल्याण समिति को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया। इसके साथ ही अस्वस्थ बालिका का जिला चिकित्सालय बालाघाट के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।प्धान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेशचंद्र थपलियाल द्वारा बालक बालिका को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया एवं बालक बालिका से चर्चा भी की गई। इस दौरान उन्होंने इन बालक बालिकाओं के पुर्नवास के लिये हरसंभव सहायता करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे भी उपस्थित रहें।

प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाईन

मंडला। एम.पी.टास पोर्टल के माध्यम से प्रतिभा योजना को विकेन्द्रीकृत किया गया है। योजनान्तर्गत विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि का वितरण जिला स्तर से किया जायेगा। आवेदक द्वारा एमपी टास पोर्टल पर आवेदन किया जावेगा जिसके अंतर्गत उसे स्कोर कार्ड, इन्टीट्यूट एडमिशन रिसिप्ट अपलोड करना होगा। आवेदक के द्वारा आनलाईन आवेदन करने के पश्चात स्वीकृति हेतु डाटा लाभार्थी के मूल जिले के जिला अधिकारी के लागइन में प्रदर्शित होगा। उक्त प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाईन होगी। वर्ष 2022-23 के पश्चात किसी भी पात्रक्रम के लिये प्रतिभा प्रोत्साहन राशि प्राप्त किये जाने हेतु ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जा सकेंगे। इस योजना में पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि 30 सित बर 2023 है।

कालेज छात्राओं को औद्योगिक ईकाई दिनी का कराया गया भ्रमण

बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में डॉ.निधि ठकुर प्रभारी प्राचार्य एवं डॉ.अनुभूति सेंडीमन संयोजक के निर्देशन में आज दिनांक 13 सित बर 2023 को स्वामी विवेकानंद कॉरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत अल्पावधि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु वारासिवनी तहसील के ग्राम दिनी में पंजीकृत छात्राओं को औद्योगिक ईकाई ले जाया गया, जहाँ पर प्रशिक्षकों श्री मुरली मनोहर श्रीवास्तव एवं श्री भुवन उपवंशी द्वारा कृषि अपशिष्ट के उपयोग से कुल्हड़, च मच, प्लास्टिक बैग, दीपक एवं प्लेट बनाने की सामग्री एवं उनके निर्माण की प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया। उपरो त सामग्री का उपयोग करने के पश्चात उसे पानी में डालकर मछली का भोजन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है या जानवरों को भी खिलाया जा सकता है एवं इस खुले मे फेंकने पर भी पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता है। प्रायोगिक प्रशिक्षण में छात्राओं के द्वारा निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रक्रिया से संबंधित व्यवहारिक समस्याओं पर प्रश्न पूछे गये। प्रशिक्षकों के द्वारा सरल शब्दों में छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।इस प्रायोगिक प्रशिक्षण को सफल बनाने में डॉ.अरूण बोरकर, प्रो. विजय तुरकर,प्रो. जीवन मसराम, डॉ.प्रदीप पटेल, श्री विनोद ठाकुर, श्रीमती स्वाति जैन का विशेष सहयोग रहा।

अमानत संग्रहण का टारगेट पूर्ण करने दी हिदायत, अन्यथा होगी कार्यवाही - सीईओ पटल

बालाघाट। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट अंतर्गत आने वाली शाखाओं को सितंबर 2023 की स्थिति पर अमानत संग्रहण का टारगेट पूर्ण करने के लिए 13 सितंबर को कले टर व बैंक प्रशासक डा. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में बैंक सीईओ आर.सी.पटले द्वारा शाखा प्रबंधकों, सुपरवाइजरो, संस्था प्रबंधकों की बैठक ली गई। जिसमे श्री पटले ने अमानत संग्रहण की शाखावार समीक्षा में पाया कि किरनापुर, लाजी, साडरा, डोगरमाली, कटंगी, तिरोडी, लालबर्रा, परसवाड़ा, बैहर, बिरसा द्वारा टारगेट पूर्ण नही किया गया है। जिसके चलते श्री पटले ने कहा कि समयावधि में टारगेट पूर्ण करे अन्यथा जि ?मेदार लोगो के विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी।इस

दौरान प्रबंधक लेखा पी. जोशी, विपणन अधिकारी राकेश असाटी, फील्ड अधिकारी राजेश नागपुरे, रीनक चौकसे उपस्थित रहे। इस दौरान बैंक सीईओ श्री पटले ने खरीफ ऋण वितरण,के वायसी, एसएफटी, सीटीआर, शाखा में संधारित खातों को आधार नबर से लिंक करने से संबंधित कार्यो को लेकर दिशा निर्देश दिए गए। श्री पटले ने कहा कि धान के पंजीयन का कार्य प्रारंभ होने वाला है इसलिए खातों को नियमानुसार अपडेट करें। इसके अलावा मध्यमकालीन ऋण, ब्याज अनुदान, खाद वितरण, आईएसएस आदि बैंकिंग विषयों पर शाखा और समिति स्तर पर वन टू वन समीक्षा कर दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य समयावधि में पूर्ण करें।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स लौंझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक- मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297